बड़ी अंतर्राष्ट्रीय कंपनी के सीईओ भारतीय मूल के, यह अच्छा संकेत

रायपुर। आईआईएम में आयोजित लीडरशिप समिट के दूसरे दिन भारतीय व्यापार और नेतृत्व को पहचान दिलाने के लिए पैनल चर्चा आयोजित की गई। तीन पैनल चर्चाएं रविवार को आयोजित हुई। इसमें प्रथम पैनल में चर्चा का विषय 'स्थानीय श्रमिकों के माध्यम से भारतीय व्यापार को वैश्विक बनाना' था। भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास, महामारी से पहले और उसके बाद की स्थिति तथा भारतीय समाजशास्त्र पर विस्तृत चर्चा हुई। फिलिप्स कंपनी के क्षितिज कुमार ने रणनीतिक सोच, नेतृत्व क्षमता और सॉफ्ट स्किल्स पर जोर दिया। उन्होंने सॉफ्ट स्किल्स की आवश्यकता और विविधता को अपनाने पर जोर दिया। उनका कहना था कि प्रबंधन में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अन्य कंपनियों से आए विशेषज्ञों ने भी अपने विचार रखे।

वैश्विक निर्यात में हम चीन से पीछे

इनसाइड सेल्स के कंट्री हेड चेतन हिन्गू ने जोर कहा, भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है फिर भी वैश्विक निर्यात में केवल 4% का योगदान देता है, जबकि चीन 15% निर्यात करता है। उन्होंने भारत और दुनिया भर में विभिन्न संस्कृतियों को आत्मसात करने के महत्व को रेखांकित क या। पीडब्ल्यूसी के निदेशक पकंज जैन ने भारत की जनसांख्यिकीय सरंचना पर प्रकाश डाला और नई तकनीक और कौशल सीखने का मूल्य बताया। पीएंडए सेल के कार्यकारी निदेशक पवन कुमार ने भारत के वैश्विक मंच पर उभरने पर चर्चा करते हुए कहा कई बड़ी अंतर्राष्ट्रीय कंपनी के सीईओ भारतीय मूल के हैं। उन्होंने कच्चे माल के निर्यात से दूर जाकर और मशीनरी के निर्यात पर अधिक ध्यान केंद्रित करने और निर्यात को व्यापक बनाने पर जोर दिया।

Haribhoomi, 6th Nov. 2023,p. 2(Raipur Bhoomi)